नाइजीरिया में भी होगा शर्करा संस्थान

कानपुर | कार्यालय संवाददाता

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) जल्द ही नाइजीरिया में अपने ही तरह का एक शर्करा संस्थान विकसित करेगा। जहां न सिर्फ शोध होगा बल्कि चीनी उद्योग को बढ़ावा देने वाले वैज्ञानिक भी तैयार होंगे। इसके लिए जल्द ही नाइजीरिया सरकार और एनएसआई के बीच एमओयू होगा। यह बात संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने दी। कहा, जब तक नाइजीरिया में इंस्टीट्यूट विकसित नहीं होता है, तब तक संस्थान में नाइजीरिया के लिए फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के साथ शार्ट टर्म ट्रेनिंग कोर्स चलाए जाएंगे।

नाइजीरिया में चीनी उद्योग को बढ़ाने के लिए शुगर विकास परिषद की छह सदस्यीय टीम एनएसआई आई है। टीम की अगुवाई फेडरल मिनिस्ट्री ऑफ इंडस्ट्री ट्रेड एंड इंवेस्टमेंट के निदेशक एडिवाले वकारे कर रहे हैं। टीम ने संस्थान का भ्रमण करने के बाद अपना प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया। 11 से 14 मार्च के बीच प्रतिनिधिमंडल विभिन्न योजनाओं पर वार्ता करने के बाद गुरुवार को एमओयू होगा। प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि नाइजीरिया में खपत के अनुसार चीनी उत्पादन बहुत कम है। देश में 16 लाख टन चीनी की जरूरत है और देश में सिर्फ 80 हजार टन उत्पादन हो रहा है। देश ने वर्ष 2023 तक चीनी उत्पादन बढ़ाकर 5.10 लाख टन करने का लक्ष्य रखा है। नाइजीरिया एनएसआई के साथ समझौता करना चाहता है।

नाइजीरिया में चीनी उद्योग को बढ़ाने के लिए छह सदस्यीय टीम एनएसआई पहुंची।

तीन शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू किए जाएंगे

प्रो. मोहन के अनुसार नाइजीरिया में सिर्फ चार इंडस्ट्री हैं, इसमें तीन सिर्फ रिफाइनरी का कार्य करती है। नाइजीरिया को तकनीकी सुविधा देने के लिए तीन शार्ट टर्म कोर्स शुरू किए जाएंगे। पहला स्नातक के लिए चार से छह सप्ताह का, दूसरा इंडस्ट्री में कार्यरत कर्मचारियों के लिए एक से दो माह का और तीसरा एडवांस मैनेजर प्रोग्राम एक से दो सप्ताह का होगा।

गन्ने की पैदावार पर भी की जाएगी मदद

नाइजीरिया की चीनी उद्योग के साथ गन्ने की पैदावार पर भी मदद की जाएगी। अभी वहां 55 टन प्रति हेक्टेअर पैदावार है जबकि भारत में 80 टन से अधिक है। नाइजीरिया के प्रतिनिधि मंडल ने लैब, हॉस्टल, कक्षा, शुगर फैक्ट्री और कामर्शियल शुगर फैक्ट्री का भ्रमण करेगा। एनएसआई मुख्य रूप से इंस्टीट्यूट की स्थापना, जैव-ऊर्जा की मदद करेगा।

फ्लेवर्ड शुगर बनाने का तरीका जाना

कानपुर | कार्यालय संवाददाता

चीनी के अलावा फ्लेवर्ड शुगर भी बनाई जाती है। यह तो काफी लोकप्रिय होगी। इसका निर्माण हम भी इंडस्ट्री में शुरू करेंगे। यह कहना है नाइजीरिया से आए प्रतिनिधि मंडल का। उन्होंने बुधवार को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के साथ कॉमर्शियल शुगर इंडस्ट्री का भी भ्रमण किया। प्रतिनिधि मंडल अपने देश में चीनी उद्योग को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के साथ समझौता करने आए हैं।

नाइजीरिया शुगर विकास परिषद के छह सदस्यीय प्रतिनिधि 11 मार्च को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान आया है। संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि नाइजीरिया अपने देश में चीनी उद्योग को बढ़ाने के लिए एनएसआई के साथ समझौता कर रहा है। इसके तहत संस्थान के वैज्ञानिक एनएसआई में चीनी उद्योग

- एनएसआई आया है नाइजीरिया का प्रतिनिधि मंडल
- संस्थान के साथ कॉमर्शियल शुगर इंडस्ट्री का भ्रमण किया

नाइजीरिया की टीम ने संस्थान का किया भ्रमण।

नाइजीरिया के प्रतिनिधि मंडल ने संस्थान में स्थापित स्पेशल शुगर डिवीजन की ओर से बनाई जा रही फ्लेवर्ड शुगर के निर्माण की पूरी प्रक्रिया को देखा। आइसिंग शुगर, फार्मास्यूटिकल शुगर, शुगर, जिंजर शुगर आदि के निर्माण की प्रक्रिया को विस्तार से समझा। उन्हें गन्ने के अधिक उत्पादन के लिए बड चिप एवं ट्रेंच प्लांटिंग विधि, वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग, ड्रिप इरीगेशन के बारे में भी

नाइजीरिया में शर्करा संस्थान स्थापना में दिया जायेगा सहयोग : प्रो. मोहन

नाइजीरिया शुगर विकास परिषद की छह सदस्यीय टीम ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का दौरा किया

कानपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन ने कहा कि संस्थान नाइजीरिया में शर्करा संस्थान में नाइजीरिया शुगर विकास परिषद को अपना सक्रिय एवं रचनात्मक तकनीकी सहयोग देगा। भारत सरकार तथा नाइजीरिया के अनुमोदन के बाद दोनों संस्थानों के बीच अनुबंध होगा।

प्रो. मोहन संस्थान में यह बातें दौरे पर आयी नाइजीरिया शुगर विकास परिषद की छह सदस्यीय टीम के साथ बातचीत के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि टीम के सदस्यों ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर शर्करा तकनीकी अनुभाग में स्थापित स्पेशल शुगर डिवीजन द्वारा बनायी जा रही 'फ्लेवर्ड शुगर' के निर्माण की प्रक्रिया को समझने में खासी दिलचस्पी दिखायी। टीम के सदस्यों ने स्पेशल शुगर डिवीजन द्वारा बनायी जा रही विशेष चीनी आइसिंग शुगर, फार्मास्युटिकल, आर्गेनिक, कोकोनट, लेमन, जिंजर शुगर आदि की उत्पादन प्रक्रिया की तकनीकी को विस्तार से समझा। संस्थान के निदेशक ने कहा कि नाइजीरिया शुगर विकास परिषद के सदस्यों

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में नाइजीरिया टीम को चीनी उत्पादन तकनीक पुस्तक भेंट करते निदेशक नरेंद्र मोहन।

को इस प्रकार की विभिन्न गुणवत्ता एवं स्वाद तथा औषधीय गुणों से युक्त चीनियों के निर्माण के उद्देश्य एवं उत्पादन प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की चीनी की मांग विश्व में निरन्तर बढ़ रही है। चीनी मिलें इस प्रकार के मूल्यवर्धित उत्पादों का उत्पादन कर अपने राजस्व में काफी वृद्धि कर सकती हैं। कई मायने में तो शुगर से स्पेशल शुगर बनाना पारंपरिक रूप से चीनी मिल में गन्ने से चीनी बनाने की तुलना में अधिक फायदेमंद है। उन्होंने परिषद के सदस्यों को वर्तमान में कार्यरत पारंपरिक चीनी मिलों को बायो रिफाइनरीज में बदलने के राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर द्वारा विकसित मॉडल के सम्बंध में बताया, जिसमें चीनी के अतिरिक्त जैव रसायन एवं जैव ऊर्जा का उत्पादन किया जा सकता है।नाइजीरियाई प्रतिनिधि मंडल ने संस्थान में अध्ययनरत छात्रों को प्रायोगिक रूप से चीनी उत्पादन प्रक्रिया को समझाने के लिए संस्थान में स्थित प्रायोगिक चीनी मिल एवं अनुसंधान तथा चीनी मिल के लिए गन्ना आपूर्ति के लिए विकसित संस्थान के फार्म का भी दौरा कराया।

प्रो. मोहन खुद लिखित पुस्तक इनसाइट शुगर मैन्युफैक्चर की 15 प्रतियां भी टीम को सौंपी। उन्होंने कहा कि भविष्य में दोनों देशों के बीच अनुबंध होने के बाद नाइजीरिया में शर्करा संस्थान स्थापना तक राष्ट्रीय शर्करा संस्थान वहां की चीनी मिलों में कार्यरत तकनीकी कर्मियों को समय-समय पर अल्प अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। संस्थान नाइजीरिया की चीनी मिलों की तकनीकी दक्षता बढ़ाने में अपना सहयोग देगा। कानपुर से शर्करा तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम नाइजीरिया स्थित चीनी मिलों का दौरा करेगी। संस्थान नाइजीरिया शुगर विकास परिषद के साथ विविध क्षेत्रों में संयुक्त रूप से अनुसंधान कार्य करेंगे, जिसमें नवीन वैल्यू एडेड प्रोडक्ट तैयार किया जा सके।

चीनी उद्योग संवारने में नाइजीरिया का गुरु बनेगा कानपुर का एनएसआई

नाइजीरिया शुगर इंस्टीट्यूट को एनएसआई करेगा संचालित, प्रशिक्षण कोर्स भी चलाएगा

अमर उजाला ब्यूरो

एनएसआई में चीनी संबंधी उपकरणों को देखता नाइजीरिया का प्रतिनिधि मंडल। अमर उजाला

कानपुर। चीनी उद्योग स्थापित करने और इसे बढ़ाने में कानपुर का नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) नाइजीरिया का गुरु बनेगा। एनएसआई नाइजीरिया शुगर इंस्टीट्यूट को संचालित करेगा। इसके लिए नाइजीरिया के अधिकारियों, चीनी मिलों के कर्मचारियों को यहां प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही चीनी उद्योग में नई भर्ती के लिए प्रशिक्षण कोर्स चलाया जाएगा। इस संबंध में दोनों के बीच 14 मार्च को करार होगा। नाइजीरिया की टीम ने मंगलवार को एनएसआई में अपने यहां की स्थिति पर एक प्रस्तुति भी दी।

नाइजीरिया के चीनी उद्योग से संबंधित अधिकारियों की टीम सोमवार को यहां आई। टीम ने नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट की चीनी मिल, लैब आदि स्थलों को अगले दिन नाइजीरिया की टीम और एनएसआई के अधिकारियों की निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन की अध्यक्षता में बैठक हुई। नाइजीरिया के प्रतिनिधि ने प्रस्तुति दी। बाद में निदेशक ने बताया कि नाइजीरिया के साथ एमओयू साइन करेंगे। चार से छह सप्ताह के तीन फ्रेशर कोर्स नाइजीरिया के छात्रों के लिए शुरू किए जाएंगे। इसके साथ ही वहां के कर्मचारियों के लिए एक महीने का कोर्स होगा। एक से दो सप्ताह का एडवांस मैनेजर्स प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नाइजीरिया की जरूरत 16 लाख मीट्रिक टन चीनी की है और वहां अभी 80 हजार मीट्रिक टन ही उत्पादन हो रहा है। वहां की जनसंख्या 20 करोड़ है।

नाइजीरिया में खुलेगा एनएसआई

नाइजीरियन गर्वनमेंट के डेलीगेशन ने एनएसआई से हाथ मिलाया, शुगर प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए एनएसआई देगा टेक्निकल सपोर्ट

PIC: DAINIK JAGRAN INEXT

एनएसआई पहुंचा नाइजीरिया का डेलीगेशन.

kanpur@inext.co.in

KANPUR (12 March): अपनी टेक्नोलॉजी के जरिए दुनिया भर में धमक बना चुका कानपुर का नेशनल सुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) नाइजीरिया में शुगर प्रोडक्शन बढ़ाने में मदद करेगा. टेक्निकल सपोर्ट देने के लिए वहां एनएसआई खोला जाएगा. जिसमें नाइजीरिया के स्टूडेंट्स शुगर इंजीनियरिंग व शुगर टेक्नोलॉजी की पढ़ाई करेंगे. न्यू एकेडमिक सेशन में नाइजीरिया के स्टूडेंट्स को हर कोर्स में एडमिशन दिया जाएगा जिससे नाइजीरिया में खोले जाने वाले एकेडमिक इंस्टीट्यूशन के एक्सपर्ट तैयार हो सकें. यह जानकारी एनएसआई डायरेक्टर प्रो. नरेन्द्र मोहन अग्रवाल ने दी.

प्रोडक्शन बढ़ाने की चुनौती

इयर 2023 तक नाइजीरिया अपना शुगर प्रोडक्शन 5 लाख 10 हजार टन करने की तैयारी में है. अभी वहां पर मात्र 80 हजार टन चीनी बन रही है. इस प्रोडक्शन को बढ़ाने के लिए नाइजीरिया ने करीब 64 बिलियन डालर खर्च करने की तैयारी की है. शुगर केन प्रोडक्शन को बढ़ाने के लिए नाइजीरिया ने मारीशस के शुगर केन इंस्टीट्यूट से हाथ मिलाया है. वहीं शुगर मिलों को टेक्नोलॉजिकल सपोर्ट देने के लिए एंनएसआई से हाथ मिलाया है.

एनएसआई का डेलीगेशन जल्द ही नाइजीरिया की विजिट करेगा. नाइजीरिया के फेडरल मिनिस्ट्री ऑफ इंडस्ट्री ट्रेड एंड इनवेस्टमेंट के डायरेक्टर एडिवाले वकारे ने डेलीगेशन का नेतृत्व किया.

नाइजीरिया टीम को भायीं फ्लेवर्ड शुगर, निर्माण की प्रक्रिया जानी

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 13 मार्च। नाइजीरिया शुगर विकास परिषद की छह सदस्यीय टीम ने राष्ट्रीय शुगर संस्थान कानपुर में दौरा किया और यह टीम ने शर्करा तकनीकी अनुभाग में स्थापित स्पेशल शुगर डिवीजन द्वारा

■ नाइजीरिया की छह सदस्यीय टीम ने किया एनएसआई दौरा

बनाई जा रही फ्लेवर्ड शुगर के निर्माण की प्रक्रिया को समझने में खासी दिलचस्पी दिखाई। नाइजीरिया की टीम ने स्पेशल शुगर डिवीजन द्वारा बनाई जा रही विशेष चीनियों यथा-आईसिंग शुगर, फार्मास्यूटिकल शुगर, आर्गेनिक शुगर, चॉकलेट शुगर, लेमन शुगर एवं जिंजर शुगर आदि की उत्पादन प्रक्रिया की तकनीक को विस्तार से समझा।

एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने नाइजीरिया शुगर विकास परिषद के सदस्यों को इस प्रकार की विशिष्ट गुणवत्ता एवं स्वाद तथा

लैब में जानकारी लेते नाइजीरिया टीम के सदस्य।

औषधीय गुणों से युक्त चीनियों के निर्माण के उद्देश्य एवं उत्पादन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारियां दी। प्रो. मोहन ने इस प्रकार की चीनी की मांग विश्व में निरंतर बढ़ रही है और चीनी मिलें इस प्रकार के मूल्यवर्धित उत्पादों का उत्पादन कर अपने राजस्व में काफी वृद्धि कर सकती है। कई मायनों में तो शुगर के स्पेशल शुगर बनाना पारंपरिक रूप से चीनी मिल में गन्ने से चीनी बनाने की तुलना में अधिक फायदेमंद है। प्रो. नरेंद्र मोहन ने नाइजीरिया से आये प्रतिनिधि मंडल को वर्तमान में कार्यरत पारंपरिक चीनी मिलों को बायो रिफाइनरीज में बदलने में एनएसआई कानपुर द्वारा विकसित माडल के संबंध में बताया। जिसमें चीनी के अतिरिक्त जैव रसायन एवं जैव ऊर्जा का उत्पादन किया जा सकता है। नाइजीरिया में विद्युत का उत्पादन कम है अतः इस तरह के माडल को नाइजीरिया प्रतिनिधि मंडल द्वारा काफी सराहा गया। नाइजीरियाई प्रतिनिधि मंडल ने संस्थान में अध्ययनरत छात्रों की

■ भारत और नाइजीरिया सरकार के बीच अनुबंध होगा

प्रायोगिक रूप से चीनी उत्पादन प्रक्रिया को समझने के लिए संस्थान स्थित प्रायोगिक चीनी मिल एवं अनुसंधान तथा चीनी मिल के लिए गन्ना आपूर्ति विकास संस्थान में फार्म का भी दौरा किया।

टीम ने गन्ना उत्पादन की नवीनतम तकनीकों को जानने एवं उसकी अधिक पैदावार देने वाली प्रजातियों के उपयोग में गहरी दिलचस्पी व्यक्त की। टीम को प्रो. नरेंद्र मोहन द्वारा लिखित पुस्तक की 15 प्रतियां भेंट की गई और दोनों संस्थानों के बीच अनुबंध पर हस्ताक्षर होंगे।

Nigerian team seeks help in establishing sugar academy

TOI

TIMES NEWS NETWORK

Kanpur: A six-member delegation from Nigeria Sugar Development Council is on a four-day visit to National Sugar Institute (NSI), Kanpur to seek the institute's help in establishing Sugar Academy in Nigeria.

TEAM VISITS NSI

NSI will provide technical consultancy for capacity expansion and efficiency improvement of existing sugar plants in Nigeria, said NSI director, Prof Narendra Mohan.

The delegation has requested NSI authrities to conduct short duration training programmes for their technical personnel before setting up the sugar academy in Nigeria. The delegation, led by Adewale Bakare, director, Industrial Development, Federal ministry of industry and trade and Investment, Nigeria, is accompanied by Chris C. Mbamalu and other senior officials, Prof Mohan said.

The delegation requested for short duration training programmes

"Nigeria is a sugar deficient country producing only about 80,000 metric tonnes of sugar per annum against its requirement of about 16 lakh metric tonnes, and thus 5% of its domestic requirement is met through own production, said Prof Mohan.

"We are advising our Nigerian counterparts to focus on sugarcane and sugar productivity besides aiming at setting up integrated complexes for producing other value added products, particularly going in for generation of bio-energy", he added.

The delegation visited the academic area of the NSI to see teaching and training facilities, and laboratories. The delegation will visit other facilities at the institute on Wednesday and Thursday. A draft MoU will also be prepared for seeking approval of the respective governments, Prof Mohan informed.

एनएसआई नाइजीरिया में शकेरा अकादमी की स्थापना को करेगा मदद

RS KNP-13.03.2019

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) नाइजीरिया में चीनी उत्पादन बढ़ाने सहित प्रशिक्षणशोध सुविधाओं के लिए शर्करा संस्थान की स्थापना को लेकर मदद करेगा। नाइजीरिया में शर्करा संस्थान की स्थापना होने तक कानपुर स्थित संस्थान में ही नाइजीरिया के चीनी मिल कार्मिकों के लिए अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। इस सहयोग के क्रम में नाइजीरिया शुगर विकास परिषद से संबद्ध छह सदस्यीय दल राष्ट्रीय शर्करा संस्थान पहुंचा है। यह टीम 14 मार्च तक यहां रहेगी। विभिन्न बिंदुओं पर आपसी सहमति के बाद सहयोग एमओयू को दो दिनों के अंदर अंतिम रूप दिये जाने की उम्मीद जतायी जा रही है।

नाइजीरिया शुगर विकास परिषद का छह सदस्यीय दल एडिवाले वकारे (निदेशक, फेडरल मिनिस्ट्री ऑफ इंडस्ट्री ट्रेड एंड इंवेस्टमेंट) की अगुवाई में यहां पहुंचा है। संस्थान के निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन ने दल को संस्थान के कार्यकलापों से अवगत कराया।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में नाईजीरिया से आयी टीम को जानकारी देते निदेशक नरेंद्र मोहन। फोटो : एसएनबी

साथ ही गन्ना उत्पादन बढ़ाने, ग्रीन फील्ड प्रोजेक्ट्स की स्थापना व इंट्रीगेटेड शुगर कॉम्प्लेक्स की स्थापना पर जोर दिया, जिससे मूल्यवर्द्धित उत्पाद व जैव ऊर्जा के माध्यम से अतिरिक्त आय हासिल की जा सके। संस्थान के वैज्ञानिकों ने विभिन्न शैक्षणिक एवं चीनी उत्पादन संबंधी गतिविधियों पर आधारित एक प्रजेंटेशन नाइजीरियन दल के समक्ष प्रस्तुत किया। दल को संस्थान के विभिन्न लैब, स्मार्ट क्लास रूम व अनुसंधान सुविधाओं का निरीक्षण कराया गया। निदेशक नरेन्द्र मोहन ने बताया कि नाइजीरिया में शर्करा संस्थान की स्थापना में सहयोग करने के साथ ही चीनी मिलों के लिए जैव ऊर्जा, ऊर्जा संरक्षण, इन्फ्लूयेंट

नाइजीरिया शुगर विकास परिषद का छह सदस्यीय दल पहुंचा संस्थान

मैनेजमेंट, मूल्यवर्द्धित उत्पादों की उत्पादन तकनीक आदि को हस्तांतरित किया जाना है। नाइजीरियन दल के साथ विस्तृत वार्ता के बाद 14 मार्च को एमओयू साइन किये जाएंगे। उन्होंने कहा कि नाइजीरिया के चीनी मिलों में विस्तार-सुधार की व्यापक संभावनाएं हैं। तकनीकी क्षमता विस्तार के बाद वहां की मिलें मांग की 70 प्रतिशत तक की आपूर्ति कर सकती हैं।

नाइजीरिया में प्रति हेक्टेयर गन्ना उत्पादन मात्र 55 टन

नाइजीरिया में चीनी का उत्पादन उनकी खपत के मुकाबले काफी कम है। नाइजीरिया में केवल 80 हजार मीट्रिक टन चीनी का वार्षिक उत्पादन होता है, जबकि चीनी की आवश्यकता 16 लाख मीट्रिक टन की है। अभी केवल 5 प्रतिशत घरेलू मांग की पूर्ति की जा रही है। नाइजीरिया में प्रति हेक्टेयर गन्ना उत्पादन मात्र 55 टन है। मिलों की चीनी रिकवरी भी मात्र 8.5 प्रतिशत है।

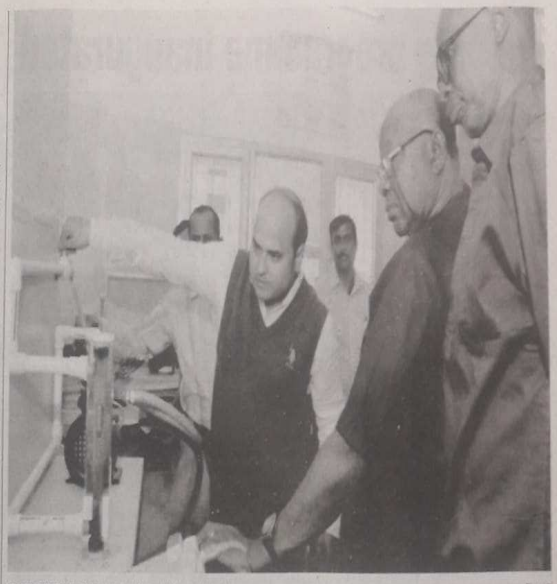

Nigerian delegation touring the National Sugar Institute on Wednesday

Pioneer

Nigerian delegation shows keen interest in 'flavoured sugar'

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

The Director of the National Sugar Institute, Prof Narendra Mohan while addressing the Nigerian delegation visiting the institute on Wednesday said there was a growing demand for a variety of sugar apart from the tradition one and thus sugar factories can produce value added products and earn more revenue. He said preparing special sugar was highly profitable than producing conventional sugar. He said the NSI had developed a new concept of converting sugar factories into 'bio-refineries producing biochemicals, and bio-energy and thus keeping in view that Nigeria was a power deficient country, these would be highly beneficial for them.

The Nigerian delegation evinced keen interest in the production of 'Flavoured Sugar' in the Special Sugar Division of the institute. It also showed interest to know the technology of production of such sugar viz. icing sugar, pharmaceutical sugar, organic sugar, coconut sugar, lemon sugar and ginger sugar etc. The delegation visited the Experimental Sugar Factory and Sugarcane Farm of the institute and were impressed on knowing the latest techniques of sugarcane cultivation for enhancing the sugarcane yield and its sugar content. The NSI experts exhibited many such techniques viz. bud chip and trench planting methods, use of vermi-compost, intercropping of sugarcane with other crops and drip irrigation methods of ferti-irrigation. The delegation also visited the institute technical library and expressed its desire to seek institute help in procuring books and journals also for the benefit of the in-service personnel in Nigerian sugar factories and also procured 15 books, namely, 'An Insight to Sugar Manufacture' written by Prof Narendra Mohan. The Director later informed that the visit concluded with the following decisions subject to an agreement between the two organisations after its approval by the respective governments.

He said the NSI will extend its assistance to National Sugar Development Council, Nigeria in building a 'Sugar Institute' at Nigeria.

He said since building a 'Sugar Institute' will take some time and thus to address the training needs, National Sugar Institute, Kanpur, may conduct short duration customised training programmes at the institute or at the factory site and the details were to be worked out after mutual discussions.

He said the National Sugar Institute, may also help National Sugar Development Council, Nigeria in capacity building and in improving the technical efficiency of the existing units.

He said NSI may also render necessary technical advice to National Sugar Development Council, Nigeria for producing different kind of sugars and developing a concept of flexi sugar factories.

He said a team of experts from National Sugar Institute will visit Nigeria Sugar Factories to precisely ascertain the model of 'Sugar Institute' and immediate training requirements.

He said the Institute and National Sugar Development Council, Nigeria will carry out collaborative research works on various areas, particularly, on utilisation of byproducts for adding value.

नाइजीरिया शुगर डेवलपमेंट काउंसिल की टीम । अमर उजाला

नाइजीरिया की टीम ने देखी लेमन, कोकोनट, जिंजर शुगर

गन्ने की अधिक उपज के लिए तकनीक देखी

कानपुर। नाइजीरिया शुगर डेवलपमेंट काउंसिल की टीम ने बुधवार को नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) में चीनी से बनने वाले विभिन्न फ्लेवर के उत्पाद देखे। इंस्टीट्यूट की स्पेशल शुगर डिवीजन में टीम के सदस्यों को लेमन, कोकोनट, जिंजर के फ्लेवर वाली चीनी दिखाई गई। साथ ही आइसिंग शुगर, फार्मास्युटिकल, आर्गेनिक शुगर के निर्माण की प्रक्रिया बताई गई।

एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि इस वक्त विश्व बाजार में विभिन्न फ्लेवर वाली चीनी की मांग बढ़ रही है। छह सदस्यीय टीम ने संस्थान की स्पेशल शुगर डिवीजन देखने के साथ ही फील्ड विजिट भी की। प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि दोनों देशों की सरकारों के अनुमोदन के बाद अनुबंध होगा। एनएसआई, नाइजीरिया के कर्मचारियों के लिए समय-समय पर अल्प अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। संस्थान की टीम नाइजीरिया की चीनी मिलों का दौरा करेगी। एनएसआई और नाइजीरिया शुगर डेवलपमेंट काउंसिल मिलकर शोध करेंगे। ब्यूरो

NSI to help Nigeria set up sugar academy

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

A press conference was held at National Sugar Institute (NSI) on Tuesday regarding the delegation who is visiting from Nigeria from March 11 to March 14 to seek assistance in establishing a sugar academy at Nigeria and also for technical consultancy for capacity expansion and efficiency improvement of existing sugar plants in Nigeria.The delegation is led by Adewale Bakare, Director, Industrial Development, Federal Ministry of Industry Trade and Investment Nigeria, Christopher and other senior officials. Till the time sugar units have been developed in Nigeria, the delegation also seeks that short duration training programmes are conducted for their technical personnel at NSI.

Addressing the mediapersons, Director, NSI, Prof Narendra Mohan informed that Nigeria is hugely sugar deficient country producing only about 80,000 MT of sugar per annum against the requirement of about 16 lakh metric tonnes of sugar and thus hardly 5% of the domestic requirement is met through own production. He said Nigeria has great potential to expand and to meet about 70% of its sugar requirement by undertaking sugarcane development activities and setting up green field projects producing sugar and other value added items. He said that it is a target that Nigeria should establish a sugar industry by 2023. He said that Nigeria is importing sugar from Brazil and has only two refineries. He said that Nigeria Sugar Development Council wants to become self-sufficient by establishing seven sugar mills and producing 40,000 tonnes of sugar per day by 2023. He said that Nigeria is ready to invest billions of dollars to establish sugar units.He said for this people from different backgrounds would be required such as agronomy, engineering and farming. He said for agronomy ,Nigerian delegation has also entered into an agreement with Mauritius Sugar Institute. Prof Narendra Mohan said we are advising our Nigerian counterparts to focus on sugarcane and

sugar productivity also as these are the area of concern besides aiming at setting up integrated complexes for producing other value added products, particularly going in for generation of bio-energy. Prof Narendra Mohan said as far as teaching is concerned NSI will conduct Faculty Development Programme till the sugar unit in Nigeria is established.The focus will be on preparing the layout, curriculum of the courses.He said that there would be Freshers and Advanced level courses in sugar engineering and processing for the Nigerian counterparts at NSI. Prof Narendra Mohan added that there is lot to be done as Nigeria is lagging far behind in terms of production and recovery of sugar. He said that there should be customised courses for Nigerians. Christopher, a Nigerian delegate also gave a presentation giving a brief history of Nigerian sugar industry.

Earlier, a presentation about the National Sugar Institute activities and Indian sugar industry was given to the delegates from Nigeria. Thereafter, the delegation visited the academic area to see the teaching & training facilities, various laboratories to acquaint themselves about the ongoing research programmes and hostels etc. Thereafter, preliminary discussions were held between the institute officials and Nigerian delegation regarding proposed structure of sugar academy at Nigeria and other technical assistance required by Nigeria for capacity building so as to meet own sugar requirements. Preliminary draft on assistance required for setting up sugar academy at Nigeria, areas of technology transfer on areas of bio-energy, energy conservation, effluent management and production of other value added items was also prepared.

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

Public Notice

Branch Office : 2nd Floor 118/330, Gumti No. 5, Kaushalpuri Kanpur - 12

Here by this is to inform that under named borrower has not repaid principal and interest thereon of the loan. Therefore the loan become NPA on below Dated . A notice under section 13(2) of the Securitization and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act 2002 was issued at last known address, which was returned undelivered. Therefore we again inform to under named borrower/ Guarantor by this public notice to repay the loan amount due including interest and other expenses as mentioned in this notice within 60 days from the date of publication of this notice otherwise bank will take action u/section 13(4) of the SARFAESI Act 2002.

The borrower's attention is invited to provision of sub-section (8) of 13 of the act, in respect of time available to redeem the secured assets, that after publication of public auction/inviting quotation/tender/ private treaty your right to redeem the secured assets will not be available.

Branch : ROSARB, Kanpur

Sl. No.	Name and Address of Borrower / Guarantor and Security agreement with brief description of securities	Outstanding Amount as per Demand Notice
1	**Borrower : Shri Rajesh Kumar Pandey** S/o Shri Ram Kumar Pandey & Smt. Vibha Pandey W/o Shri Rajesh Kumar Pandey Both R/o : E-57, Daheli Sujanpur, KDA Colony, Shyam Nagar, Kanpur & Also at L-1, 369, Block LIG, Scheme No. 39, Sanigawan, Kanpur. **Property :** Equitable mortgage of land & building of House No. L-1/369, Block LIG, Scheme No. 39, Sanigawan, Kanpur in the name of Shri Rajesh Kumar Pandey. **Area :** 49.38 Sq. Mtr., **Bounded-**North : 9 Mtr. Road, South : House No. L-1/368, East : 6 Mtr. Road, West : House No. L-1/370	₹ 6,63,646.40 + Interest w.e.f. Dt. 30.04.2017 + Other Charges **N.P.A. Date : 30-06-2017** **Demand Notice Date 01-03-2019**
2.	**Borrower : M/s Drill Tubewell Compnay, Address :** Rajendra Nagar, Seed Store Colony, Pukhrayan, Kanpur Dehat. **Proprietor :** Shri Saurabh Sachan S/o Shri Ram Naresh Sachan, R/o : 1065-C, Block-B, Panki, Kanpur. **Guarantor :** Late Devi Prasad Sachan S/o Late Baldev Prasad Sachan. Its all Legal Heirs (1) Shri Randheer Kumar (2) Shri Jaiveer Singh (3) Shri Sudhir Kumar All S/o Late Devi Prasad Sachan (4) Smt. Shyam Kishori, D/o Late Devi Prasad Sachan & All above R/o : 1065-C, Block-B, Panki, Kanpur. **Property :** Equitable mortgage of Residential Plot No. 1065-C, Block-B, Scheme No. 40, Panki, Kanpur in the name of Late Devi Prasad Sachan. **Area :** 185.80 Sq. Mtr., **Bounded-**North : Plot No. 1065-B, South : Road 40 Ft. Wide, East : Road 20 Ft. Wide, West : Plot No. 1064	₹ 14,96,768.58 + Interest w.e.f. Dt. 01.06.2013 + Other Charges **N.P.A. Date : 24-06-2013** **Demand Notice Date 01-03-2019**

Date : 13-03-2019 **Place : Kanpur** **Authorised Officer**

नीबू और अदरक के स्वाद की चीनी के नाइजीरियाई बने दीवाने

जासं, कानपुर : नाइजीरिया से आए नौकरशाह, वैज्ञानिक व इंडस्ट्री प्रोफेशनल को भारत में बनी नीबू, अदरक, दालचीनी व गरी के स्वाद की चीनी खूब पसंद आई। यह चीनी राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआइ) के स्पेशल शुगर डिवीजन ने तैयार की है। यह पहली बार था जब नाइजीरियाई नागरिकों ने इस तरह की चीनी का स्वाद लिया। उन्हें यह फ्लेवर्ड शुगर इतनी पसंद आई कि उन्होंने एनएसआइ के साथ मिलकर ऐसी फ्लेवर्ड शुगर बनाने के लिए भी करार कर लिया।

एनसएआइ निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि साधारण चीनी की तुलना में फ्लेवर्ड शुगर ढाई गुना अधिक दाम पर बिकती है। साधारण चीनी की कीमत 37 से 40 रुपये किलो है जबकि फ्लेवर्ड शुगर 80 से सौ रुपये किलो बिकती है। विदेशों में यह चीनी बहुत लोकप्रिय है।

सल्फर रहित होती है फार्मास्यूटिकल शुगर

फ्लेवर्ड शुगर के अंतर्गत फार्मास्यूटिकल शुगर भी आती है जिसका इस्तेमाल दवाइयां बनाने में किया जाता है। इसमें सल्फर की मात्रा बिल्कुल नहीं होती है जबकि यह उच्च गुणवत्ता वाली चीनी होती है। जिसका प्रयोग सिरप बनाने में होता है। इसके अलावा गन्ने की जैविक खेती के बाद उससे बनने वाली चीनी ऑर्गेनिक शुगर कहलाती है। इसमें चूने के पानी के अलावा किसी केमिकल का प्रयोग नही होता है जिससे इसकी गुणवत्ता भी अच्छी होती है। प्रो. नरेंद्र मोहन ने नाइजीरिया से आए प्रतिनिधिमंडल को सलाह दी कि उनके देश में जो विटामिन ए की कमी है उसे फ्लेवर्ड शुगर से पूरा किया जा सकता है।